वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 219 | रविवार 4 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में तेज सर्दी का अलर्ट

माउंट आबू में 11 साल बाद नवंबर में जमी बर्फ, चूरू पांच राज्यों में सबसे सर्द

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में इस सीजन नवंबर में भले ही सुबह-शाम सर्दी का असर कम दिखने को मिला हो, लेकिन पहाड़ी से लेकर मैदानी इलाकों में ठंड ने रिकॉर्ड बनाया है। माउंट आबू में 11 साल बाद नवंबर महीने में बर्फ जमी। वहीं, चूरू ऐसा शहर रहा जहां नवंबर के 14 दिन तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। इस कारण चूरू पूरे मध्य भारत के मैदानी इलाकों में सबसे ठंडा इलाका रहा। इधर, दिसंबर में सर्दी की बात की जाए तो राजस्थान में 14 दिसंबर के बाद शीतलहर चलने की संभावना है। इस दौरान प्रदेश के मौसम में बड़ा उलटफेर दिखने को मिलेगा।

कोटा में 11 साल का रिकॉर्ड टूटा

नवंबर में इस बार कोटा में सर्दी का नया रिकॉर्ड बना है। यहां 25 नवंबर की रात न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो कोटा में पिछले 11 साल में नवंबर की सबसे सर्द रात रही। इससे पहले कोटा में साल 2020 में तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था, लेकिन ये रिकॉर्ड भी इस साल टूट गया। कोटा में 2012 से अब तक नवंबर में केवल 1 बार ही तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गया है।

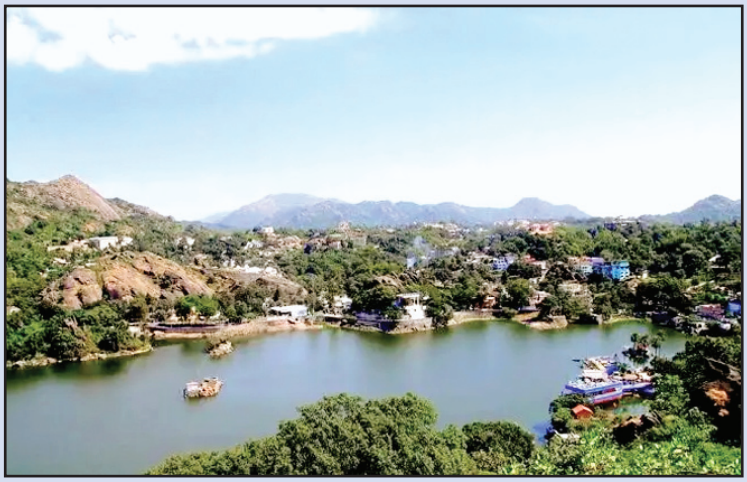

आबू में समय से पहले जमी बर्फ

माउंट में भी इस बार सर्दी का जबरदस्त असर देखने को मिला। यहां इस बार समय से पहले मैदानों में बर्फ जम गई। सामान्यतः यहां दिसंबर के दूसरे सप्ताह से बर्फ जमने लगती है, लेकिन इस बार नवंबर के आखिरी सप्ताह में ही बर्फ जम गई। 11 साल बाद ये दूसरा मौका है जब आबू में नवंबर में बर्फ जमी हो। इस सीजन 25 नवंबर को माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री पर आया था, तब यहां मैदानों और गाड़ियों की छतों पर हल्की बर्फ की परत जम गई थी। इस दिन के बाद से लगातार आबू में तापमान 2 डिग्री या उससे नीचे बना हुआ है। मौसम केन्द्र नई दिल्ली ने नवंबर इस बार राजस्थान में सामान्य से ज्यादा बारिश और दिन का तापमान होने का पूवार्नुमान जारी किया था। हालांकि, न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की भविष्यवाणी की थी। लेकिन, मौसम विभाग की इस भविष्यवाणी के विपरीत इस बार बारिश भी कम हुई और दिन का तापमान भी अधिकांश समय सामान्य से ऊपर रहा। इसके पीछे कारण वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की फ्रीक्वेंसी कम होना है। राजस्थान में इस सीजन नवंबर में शुरूआती दो सप्ताह में केवल 3 ही वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आए, जिसमें दो ज्यादा एक्टिव रहे। 15 नवंबर के बाद से लगातार मौसम शुष्क रहा और आसमान साफ रहने से दिन-रात के तापमान में गैप बढ़ा।

मैदानी इलाकों में सबसे ठंडा रहा चूरू

इस नवंबर में चूरू में भी अच्छी ठंड रही। यहां 17 नवंबर से तापमान लगातार 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। मैदानी इलाकों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्य के तमाम शहरों में सबसे ज्यादा और लम्बे समय तक ठंडा रहने वाला इलाका रहा। चूरू में नवंबर में इस बार न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले साल 2014 और 2017 में ही ऐसा रहा जब चूरू का न्यूनतम तापमान नवंबर के महीने में 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा हो। नवंबर में शुरूआत से ही इस बार अधिकतम तापमान ने नए 11 साल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। प्रदेश के 9 शहरों में 4 व 5 नवंबर के समय अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड हुआ। इसमें अजमेर, जयपुर, कोटा, उदयपुर, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर, चूरू और गंगानगर में दिन के अधिकतम तापमान का नया रिकॉर्ड बना है।

हैदराबाद आईआईटीएम का उद्घाटन

वर्ल्ड ट्रेवल मार्ट में राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक

जयपुर. कासं। तीन दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल ट्रैवल मार्ट (आईआईटीएम) का उद्घाटन तेलंगाना पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता ने विधिवत तरीके से किया।

पर्यटन विभाग राजस्थान ने हैदराबाद के हाईटेक्स एक्जीबिशन सेंटर में आयोजित इस ट्रैवल मार्ट में एक पवेलियन के साथ-साथ राजस्थानी कलाकृतियों एवं रोड शो में भी हिस्सा लिया। पर्यटन निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि राजस्थान टूरिज्म डोमेस्टिक टूरिज्म को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है, इसके लिए आईआईटीएम में हैदराबाद के मिलते- जुलते कल्चर के साथ दोनों राज्यों के एक्सचेंज कल्चर को प्राथमिकता दी जाएगी। जिसके जरिए कला, संस्कृति, मेलों, त्योहारों और साहसिक और वन्य जीवन के अनुभवों को उजागर करने के लिए एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई हैं।

एक्ट्रेस हंसिका ने शादी में मंगेतर के साथ किया डांस

व्हाइट विंटेज कार में पहुंची पोलो ग्राउंड, जयपुर के मुंडोता फोर्ट में लेंगी फेरे

जयपुर. कासं। बॉलीवुड एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी के प्री-वेडिंग फंक्शन शुरू हो चुके हैं। शनिवार को जयपुर के मुंडोता फोर्ट में पोलो मैच का आयोजन किया गया। इस दौरान हंसिका और सोहेल व्हाइट ड्रेस में विंटेज कार पर सवार होकर पोलो ग्राउंड पहुंचे। जहां दोनों ने पोलो मैच देखने के बाद फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स के साथ जमकर डांस किया। इससे पहले शुक्रवार रात को सूफी नाइट का आयोजन किया गया था। इसमें राजस्थानी लोक कलाकारों की धुन पर शादी समारोह में पहुंचे खास मेहमान एंजॉय करते नजर आए।

श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का समापन हुआ

सौभाग्यशाली है वह परिवार जो जिनालय का निर्माण कराते हैं: आचार्य श्री सुनील सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम अचरोल में श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का आज समापन हुआ । अरावली पर्वत श्रंखला के सुरम्य वातावरण में स्थित अचरोल ग्राम के श्री दिगम्बर जैन देषभूषण आश्रम में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल चल रहे 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का समापन हो गया। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया कि नेम प्रकाश खण्डाका, देव प्रकाश खण्डाका व संत कुमार खण्डाका ने व परिजन तथा श्रावक श्राविकाओं ने महोत्सव के आज अंतिम दिन शनिवार को जिनेन्द्र अभिषेंक व शांतिधारा के बाद अर्घ चढ़ाए। इस अवसर पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि आज हम लोग बड़े सौभाग्यशाली है कि हमे देव, शास्त्र व गुरु का सानिध्य मिला, यह एक अद्भुत स्थान बन गया है जहां से दूर-दूर तक जिनालय नहीं है यहां के नजदीक ही दो विश्व विद्यालय हैं जहां समाज के लगभग 500 विद्यार्थी विद्याध्ययनन कर रहे हैं कुछ बच्चे आज आये और सब ने करतल ध्वनि से कहा हम लोग अब बहुत खुश हैं यहां जिनालय बन गया है हम लोग दर्शन करने, नियमित यहीं आया करेंगे, आचार्य भगवंत उपदिष्ट रहे उन्होंने कहा इस अतिशय चमत्कारी पार्श्वनाथ भगवान के क्षेत्रपर एक छात्रावास का भी निर्माण होना चाहिए जिससे कि यहां पढ़ने वाले छात्रों को शुद्ध भोजन की व्यवस्था हो सके।

आचार्य संघ का हुआ आमेर के लिए विहार, आज सुबह कुकस पहुचेंगे

मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया आचार्य भगवन्त का संघ सहित मध्याह्न 3 बजे विहार हुआ,श्रावक - श्राविकाओं ने जयकारों के साथ सम्पूर्ण संघ का लबाना ग्राम मे बोहरा जी के फार्म हाउस पर विहार संपन्न कराया। आज प्रातः आचार्य श्री संघ सहित कूकस पहुंचेंगे तथा आहार के पश्चात दोपहर मे गुरुदेव का आमेर के लिए विहार होगा।

पंचकल्याणक समारोह में पिच्छि का परिवर्तन हुआ, नेमी कुमार की बारात निकली

इंदौर. शाबाश इंडिया

महावीर नगर में चल रहे पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को तप कल्याणक मनाया गया एवं श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज, मुनि श्री अप्रमितसागरजी एवं सहज सागर जी महाराज ने नियम, संयम के साथ जीवन जीने और विशुद्धि बढ़ाने का संकल्प लेने वाले तीन श्रावकों को अपनी पुरानी पिच्छिका प्रदान की एवं कई श्रावकों ने सामूहिक रूप से प्रतिमा को जो लोग कांच की प्रतिमा बताकर प्रचारित कर रहे हैं उनकी आंख कांच की है श्रद्धा की नहीं। स्फटिक मणि की प्रतिमा शुद्ध स्फटिक मणि की, अतिशय कारी एवं ऊजार्वान है। प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद प्रतिमा जब समोसरण मंदिर में विराजमान होगी तब श्रद्धा एवं भाव भक्ति से दर्शन पूजन करने वालों के हृदय में सुख शांति की धारा बहा अपनी करुणा बिखेरेगी। नेमिनाथ जिन बिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत पुलक चेतना मंच के नेतृत्व में महोत्सव स्थल महावीर नगर से नेमी कुमार की वैराग्य बारात निकली जिसमें हजारों की संख्या में महिला पुरुष बाराती के रुप में सम्मिलित हुए ।बरात में 20 बग्घियां, ई रिक्शा, तीन बैंड ,दो एंटिक कार चल रही थी जिनमें महोत्सव के पात्र विराजमान थे। श्री

एक साथ मिलकर त्रय मुनिराजों को नई पिच्छि भेंट की। पिछिका भेंट करने का सौभाग्य पंडित रतन लाल शास्त्री, आजाद जैन, हंसमुख गांधी, डॉक्टर जैनेंद्र जैन, अरुण सेठी, राजेश दद्दू, अशोक खासगी वाला, सुरेश चंद जैन, कीर्ति पांड्या, श्रीमती प्रभादेवी व मंजू अजमेरा आदि ने प्राप्त किया एवं मुनि श्री आदित्य सागर जी की पिच्छिका विकास,पायल जैन ने, अप्रमित सागर जी की हितेश सारिका जैन ने एवं मुनि श्री सहज सागर जी की पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य विकास प्रीति बड़जात्या ने प्राप्त किया। इस अवसर पर मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने अपने संक्षिप्त आशीर्वचन में कहा कि जीवन के वे क्षण बहुत पावन होते हैं जब जीव को संयम धारण करने के भाव आते हैं। नियम संयम का संकल्प लेकर पिच्छिका प्राप्त करने वालों को आशीर्वाद देते हुए मुनिश्री ने कहा कि अपनी विशुद्धि और संयम को बढ़ाएं। मुनि श्री ने कहा कि शांतिनाथ भगवान की स्फटिक मणि की संजय गंगवाल नेमी कुमार, सुयश जैन बलभद्र एवं अतिशय जैन कृष्ण के रूप में बगघियों में परिवार सहित विराजमान थे। एक किलो मीटर लंबी बारात ढाई किलोमीटर का भ्रमण कर तिलक नगर, साईं नाथ कॉलोनी एवं कनाडिया रोड होते हुए महावीर नगर महोत्सव स्थल पहुंची। पश्चात मुनि श्री के प्रवचन एवं राज दरबार नेमी कुमार के बैरागय प्रसंग की प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि नेमी कुमार की बारात संसार की बरातों से बिल्कुल अलग थी यह एक ऐसी बारात थी जिसने नेमी कुमार के मन में वेराग्य का बीजारोपण कर दिया।

आज ज्ञान कल्याणक: आज ज्ञान कल्याणक के अवसर पर महा मुनिराज की आहार चर्या, मुनिश्री के प्रवचन, 48 संस्कार विधि, अंक न्यास विधि, सूरि मंत्र, केवल ज्ञानोतपत्ति, दिव्य ध्वनि एवं शंका समाधान के कार्यक्रम होंगे।

श्रीमहावीरजी क्षेत्र में चल रहे महामस्तकाभिषेक के अवसर पर विशेष

जब चांदनपुर के महावीर स्वामी को जागिरदार बनाया गया: हीरा चन्द बैद

उक्त शीर्षक पढ़कर आप भी चोंक गये होंगे कि क्या भगवान को भी जागिरदार बनाया जाता है? जी हां घटना आज से लगभग 450 वर्ष पूर्व की है। सन 1600 में राजस्थान के करोली जिले (पूर्व में सवाई माधोपुर जिला) के हिण्डोन उपखण्ड के चान्दन गांव (जयपुर रियासत के ग्राम औरंगाबाद) में भगवान महावीर की एक प्रतिमा गांव के ही एक चर्मकार ने बहुत ही चमत्कारिक रूप में भूगर्भ निकाली थी। भगवान महावीर स्वामी की इस प्रतिमा की सेवा पूजा के लिए जयपुर रियासत ने औरंगाबाद की सारी जमीन भगवान महावीर को जागिरी में देकर जागिरदार बना दिया। श्रीमहावीरजी का प्रबन्ध जयपुर दिगम्बर जैन पंचायत एवं उसके मुकर्रर करदा भट्टारकों द्वारा होता था। सन् 1918 में भट्टारक श्री महेन्द्र कीर्ति जी के आकस्मिक निधन होने पर भट्टारक श्री चन्द्र कीर्ति जी को गद्दी पर बैठाया गया। सन्1923 तक तो सब कुछ ठीक - ठाक चलता रहा किन्तु इस के बाद गांव के जमींदारों ने लगान आदि जमा कराना बन्द कर दिया तब इस जमा वसूली में कठिनाइयां आने लगी । कानून में भगवान को नाबालिग माना जाता है। नाबालिग का प्रबन्ध जयपुर राज्य के कोर्ट आफ वाड्र्स द्वारा किये जाने का नियम था इसी कारण जयपुर की दिगम्बर जैन पंचायत के निवेदन पर जयपुर राज्य ने सन् 1923 में श्री महावीर जी के प्रबन्ध के लिए कोर्ट आफ वाड्र्स बैठा दिया जिसमें दिगम्बर जैन पंचायत के एक प्रतिनिधि को भी मनोनीत किया गया था। धीरे धीरे स्थितियों में सुधार होता देख कर सन 1930 में जयपुर की दिगम्बर जैन पंचायत के आवेदन पर जयपुर स्टेट में प्रस्ताव पास कर श्री महावीर जी क्षेत्र का प्रबन्ध दिगम्बर जैन पंचायत के 13 व्यक्तियों की कमेटी को सम्हला दिया गया इस कमेटी के सबसे पहले अध्यक्ष मुन्शी प्यारे लाल जी कासलीवाल साहब व सबसे पहले मंत्री रामचन्द्र जी खिन्दूका साहब बने थे। बाद में 13 के स्थान पर 21 और अब 31 व्यक्तियों की प्रबंधकारणी कमेटी द्वारा दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के

हीरा चन्द बैद
एस-21, सरदार भवन, मंगल मार्ग,
बापू नगर, जयपुर।
मोबाइल नं. 9828164556

कुशल प्रबन्ध से क्षेत्र ने विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं। वर्तमान में इस प्रबन्धकारीणी कमेटी के अध्यक्षः सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्षःशान्ति कुमार जैन, मानद मंत्रीः महेन्द्र कुमार पाटनी, संयुक्त मंत्री : सुभाष चन्द जैन,एवं उमराव मल संघी, कोषाध्यक्षः विवेक काला एवं कार्यकारणी सदस्यों में सुभद्र कुमार पाटनी, नरेश कुमार सेठी, पूनमचंद शाह, प्रोफेसर कमल चन्द सौगानी, जस्टिस नरेन्द्र कुमार जैन , हेमन्त सौगानी, अशोक जेन, कमल कुमार बड़जात्या, जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन , देवेन्द्र कुमार जैन -दिल्ली, अशोक पाटनी, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, सी.पी . जैन, डा.पदम कुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, अनिल पाटनी -दीवान,रूपिन काला व सुरेश सबलावत है। **चमत्कारिक आविभार्वः-** इस लोक तीर्थ के आविर्भाव को लेकर कई चमत्कारिक लोक श्रुतियां जनजीवन में कही सुनी जाती है उनमें प्रमुख है कि यहां पर कोई 450 वर्ष पूर्व 24 वे तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी की बहुत ही आकर्षक प्रतिमा भूगर्भ से उद्भव होना है एक चर्मकार की गाय जब बिना दूध के घर पहुंचने लगी तो उसे चरवाहे पर शंका हुई कि शायद वह दूध दूह लेता है लेकिन यह देखकर वह विस्मित रह गया कि गाय ने गंभीर नदी के तट पर एक टीले

पर जाकर अपना दूध समर्पित कर देती है। उस टीले पर जाते ही गाय का दूध सवतः ही झरने लग जाता है। उसने आंखों से देखा तो उस टीले की खुदाई की जिज्ञासा जागृत हुई कि यहां क्या विशेषता है। खुदाई पर दिगंबर जैन प्रतिमा की उपलब्धि से सब प्रसन्न हो उठे। चर्चा फैलने पर पुरातत्वविदों ने प्रतिमा को देखा और दिगंबर जैन मूर्ति ठहराई । महावीर स्वामी के इस अतिशय उद्भव से प्रभावित होकर बसवा निवासी सेठ अमरचंद बिलाला ने यहां एक मंदिर निर्माण करवा कर उस मूर्ति को प्रतिस्ठापित करवा दिया कालांतर में यह चमत्कारिक लोग तीर्थ निरंतर विकास यात्रा पर है। **वार्षिक मेलाः** श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र का वार्षिक मेला हर वर्ष चैत्र शुक्ला 13 से वैशाख कृष्णा द्वितीय तक बासंती माहौल में भरता है जिसे लक्खी मेले के नाम से जाना जाता था। क्षेत्र की प्रबन्धकारीणी कमेटी द्वारा यहां अनेक लोकोपकारी कार्य सम्पादित किए जा रहे हैं। इन दिनों 24 वर्ष बाद मूलनायक भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक का कार्यक्रम विशाल स्तर पर आज रविवार, 4 दिसम्बर 2022 तक चलेगा।

भक्तामर ग्रुप वैशाली नगर जयपुर की नारेली यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। भक्तामर ग्रुप वैशाली नगर जयपुर की महिला सदस्यों ने शनिवार को ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारैली के दर्शन किए। विनीता जैन ने बताया कि इस अवसर पर नारैली मे मूलनायक देवाधिदेव 1008 श्री मुनीसुव्रत नाथ भगवान का विधान किया और 48 दीपक से रिद्धि सिद्धि मंत्रों के द्वारा भक्तामर का पाठ किया। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में अजमेर के सुभद्रा स्पेशल स्कूल के स्पेशल बच्चे भी इस अवसर पर वहां दर्शन के लिए आए थे ये स्पेशल बच्चे भक्तामर पाठ में अपनी सहभागिता देकर बहुत ही खुश दिखाई दे रहे थे। सभी ने आचार्य विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से और मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज की प्रेरणा से संचालित गौशाला में भी गायों को गुड़ और चारा खिलाया। वापसी मे सुपार्श्वनमति माताजी के समाधि स्थल बड़ के बालाजी के भी दर्शन किए ।

वेद ज्ञान

स्वयं की शक्ति को पहचानें...

अनेक ऋषियों-मुनियों और संतों ने अपने साहित्य को माध्यम बनाकर आपके हृदय को स्पर्श करने की कोशिश की है, आपके हृदय को स्पर्श कर आपको जगाने की कोशिश की है। उन्होंने आपके मन रूपी मंदिर में एक दिया जलाने की कोशिश की है ताकि आपकी अज्ञानता दूर हो सके लेकिन आप तो मोह से दूर होते ही नहीं। आपको अपने आपको समझाना होगा। आप कौन हैं-आपका जीवन एक यात्रा है। यह यात्रा आज से नहीं, कल से नहीं, यह यात्रा उस दिन से नहीं जारी है, जब आपका जन्म हुआ। आपकी यात्रा तो तब से प्रारंभ हुई है जब आप परमात्मा से बिछड़ कर एक इकाई बने, एक अंश बने। आप अपने घर से दूर चले गए हैं। आप सोच रहे हैं कि आपने एक घर बना लिया है। आप सोचते हैं कि यह शरीर आपको एक घर के रूप में मिला है, परंतु यह शरीर आपका नहीं है, यह घर आपका नहीं है। यह घर आपका बनाया हुआ है। आपका उत्तराधिकारी पैदा हो चुका है। वह तैयार हो रहा है आपसे सब कुछ छीन लेने के लिए। यह प्रकृति, यह पृथ्वी आपसे सब कुछ छीन लेगी। यह घर आपका नहीं। यह तो आपके कर्मों के कारण आपको उपलब्ध है। कर्म ही घर बनाते हैं। आपको कर्म ही आपका भाग्य बनाते हैं। इसलिए आप कर्म के धनी बनें। हम उस सत्य से बिछड़ चुके हैं। हम अपने अस्तित्व से दूर हो चुके हैं। हम बहुत दूर यात्रा कर चुके हैं, दूर हो चुके हैं उस परमात्मा से, जहां से हम चले हैं। उसके करीब जाने के लिए, उसे प्राप्त करने के लिए आपको किसी यात्रा की जरूरत नहीं। आप कहीं भी यात्रा करें, लौट करके आपको अपने घर आना होगा और यह पता लगाना पड़ेगा कि यह घर कौन सा है। जब तक आप उस घर का पता नहीं लगा पाते, तब तक वह यात्रा आपको अपने निज की ओर, परमात्मा की ओर नहीं ले जा सकती। जब तक यह उपलब्ध नहीं होगा, तब तक आप दुखी रहेंगे। चाहे आप कुछ भी करें, चाहे आप दिन भर माला जाप करते रहें या किसी का नाम लेते रहें, आपका भला नहीं होगा, क्योंकि आप सत्य को नहीं जानते। आप किसी से जुड़ना चाहते हैं, आप किसी से मिलना चाहते हैं और आप किसी का होना चाहते हैं। किसी का होने में आपकी अस्मिता-आपका अस्तित्व खो जाता है, आप गुलामी की ओर जाते हैं।

संपादकीय

चुनावी जीत के साथ संपत्ति में उछाल

अब यह परदे के पीछे की बात नहीं रही कि चुनाव जीतने के बाद जन प्रतिनिधियों की संपत्ति में अचानक उछाल आना शुरू हो जाता है। चाहे वह गांव का मुखिया हो, नगर पार्षद, विधायक या फिर सांसद, जब भी दूसरी बार वह चुनाव मैदान में उतरता और हलफनामा दाखिल करता है, तो उसकी संपत्ति में हैरान करने वाली बढ़ोतरी दर्ज नजर आती है। पहले चुनाव के समय जिनकी संपत्ति लाखों में थी, वह दूसरे चुनाव तक बढ़ कर करोड़ों में पहुंच जाती है। दिल्ली के नगर निगम चुनाव में दूसरी बार मैदान में उतरे प्रत्याशियों के हलफनामे का अध्ययन बताता है कि चौरासी में से पचहत्तर पार्षद ऐसे हैं, जिनकी संपत्ति में तीन से चार हजार चार सौ सैंतीस फीसद तक की वृद्धि हुई। हालांकि तीन फीसद बढ़ोतरी वाले पार्षदों की संख्या इक्का-दुक्का है। एकाध ऐसे भी हैं, जिनकी संपत्ति पहले से घटी है। मगर ज्यादातर की संपत्ति पिछले पांच सालों में औसतन दो गुने से अधिक बढ़ी है। पिछले निकाय चुनाव के दौरान प्रत्याशियों की संपत्ति औसतन 2.93 करोड़ रुपए थी, जबकि इस बार के चुनाव में चौरासी पार्षदों की संपत्ति 4.37 करोड़ रुपए है। ऐसे ही हैरान करने वाले आंकड़े विधानसभा और संसद चुनाव में भी देखे जाते हैं। अब इस तथ्य को आम मतदाता भी जैसे स्वीकार कर चुका है कि एक बार चुनाव जीतने के बाद जन प्रतिनिधि अचानक फर्श से अर्श पर पहुंच जाते हैं। ऐसा भी नहीं कि जन प्रतिनिधियों को वेतन इतना अधिक मिलता है कि पांच सालों में उनकी जमा पूंजी में करोड़ों की बढ़ोतरी हो जाती है। मगर न तो उन पर आय से अधिक संपत्ति जमा करने के मामले दर्ज किए जाते हैं और न उनकी पार्टी उनके खिलाफ कोई कदम उठाती है। यह कौन पूछेगा कि आखिर पांच सालों में उनकी आमदनी इतनी कैसे हो जाती है कि उनकी संपत्ति में अचानक बढ़ोतरी हो जाए। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि इस तरह की संपत्ति भ्रष्टाचार के जरिए जमा होती है। दिल्ली नगर निगम पार्षदों को विकास कार्य के लिए हर साल एक तय रकम जारी की जाती है। उस रकम के आबंटन में ठेकेदारों से कमीशनखोरी जगजाहिर है। इसके अलावा भी अतिक्रमण, बिना नक्शा पास कराए भवन निर्माण कराने आदि के लिए उगाही के तथ्य प्रकट हैं। इस चुनाव में विपक्षी राजनीतिक दल इसका खुलेआम आरोप लगाते फिर रहे हैं। फिर यह भी छिपी बात नहीं है कि जन प्रतिनिधि और अधिकारी भ्रष्टाचार से जुटाया बहुत सारा धन और संपत्ति अपने नाम से नहीं रखते। इस तरह उनकी अघोषित संपत्ति का भी अंदाजा लगाया जा सकता है। विचित्र है कि दिल्ली नगर निगम में वर्षों से भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। उसके कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल पाता, जिसे लेकर वे जब-तब प्रदर्शन पर उतर आते हैं, हड़ताल पर चले जाते हैं। नगर निगम के स्कूलों, मुहल्लों की गलियों, सड़कों, उनमें रोशनी, सार्वजनिक शौचालयों आदि की दशा दयनीय बनी हुई है।

परिदृश्य

वृद्धि की दर...

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में विकास दर के आंकड़े उत्साहजनक नहीं कहे जा सकते। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अगली दो तिमाहियों में इसके सुधरने की उम्मीद है और यह सात फीसद वार्षिक विकास दर के लक्ष्य तक आसानी से पहुंच सकती है। रिजर्व बैंक ने भी यही अनुमान जताया था कि चौथी तिमाही में विकास दर में उत्साहजनक नतीजे आएंगे और फिर अर्थव्यवस्था अपनी पुरानी लय में लौटनी शुरू हो जाएगी। मगर ताजा आंकड़ों में जिस तरह औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन निराशाजनक दर्ज हुआ है, उसके मद्देनजर सरकार को अभी बहुत कुछ करने की जरूरत रेखांकित होती है। विनिर्माण और खनन क्षेत्र में भारी गिरावट दर्ज हुई है। इसकी वजह महंगाई बताई जा रही है। विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन दर में 4.3 फीसद की गिरावट आई है, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में इसमें 5.6 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई थी। खनन क्षेत्र में भी उत्पादन दर 2.8 फीसद घटी है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में इसमें 14.5 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई थी। इसी प्रकार निर्माण, बिजली, गैस, जल आपूर्ति और अन्य जन-केंद्रित सेवाओं की जीवीए वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि की विकास दर को पेशेवर सेवाओं और भवन निर्माण के क्षेत्र में हुई वृद्धि ने संभाल लिया। ताजा विकास दर को लेकर चिंता इसलिए जताई जा रही है कि अभी तक महंगाई के मोर्चे पर काबू पाने में कोई कारगर उपाय नजर नहीं आ रहा। बैंकों की ब्याज दरें बढ़ी हुई हैं और रुपए की कीमत भी संभल नहीं रही। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि जुलाई से सितंबर के दौरान लोगों ने खर्च किया, घरेलू बाजार में मांग बढ़ी और निवेश में भी उत्साह दिखाई दिया। मगर त्योहारी मौसम होने की वजह से भी ऐसा हुआ होगा। फिर यह भी कि इस आधार पर समग्र विकास का चित्र खींचना संभव नहीं हो सकता। विकास दर का असर इससे नापा जाता है कि देश में नए रोजगार का सृजन कितना हो पाया और कितने लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल सके। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि जब विनिर्माण, निर्माण और खनन क्षेत्र में उत्पादन की रफ्तार सुस्त पड़ी हुई है, तो उनमें रोजगार सृजन करना मुश्किल काम है। इन्हीं क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार की गुंजाइश रहती है। नए रोजगार सृजित नहीं होंगे, तो गरीबी रेखा से लोगों का बाहर निकलना और फिर बाजार में पैसे का प्रवाह बढ़ना कठिन ही रहेगा। सेवा के जिन क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज हुई है, उनमें, होटल व्यवसाय, परिवहन, व्यापार प्रमुख हैं। मगर दूसरी तरफ संचार तकनीक के क्षेत्र में उत्साह नहीं देखा जा रहा, जिसकी वजह से कंपनियों को छंटनी जैसे उपाय आजमाने पड़ रहे हैं। इस तरह अभी विकास दर को संतुलित करने की दिशा में चुनौतियां लगातार बनी हुई हैं। निवेश को लेकर बेशक कुछ सकारात्मक नतीजे देखने को मिल रहे हैं, पर बड़ी चुनौती निर्यात बढ़ाने को लेकर है। जब तक निर्यात नहीं बढ़ेगा, तब तक औद्योगिक क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद धुंधली पड़ी रहेगी। केवल घरेलू बाजार के भरोसे उत्पादन दर में बढ़ोतरी का दावा नहीं किया जा सकता। महंगाई की दर ऊंची होने से घरेलू बाजार में सुस्ती पसरी पड़ी है। ऐसे में वार्षिक वृद्धि दर में आंकड़े बेशक कुछ क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से अनुमानित लक्ष्य तक पहुंच भी जाएं, मगर संतुलित विकास दर का दावा नहीं किया जा सकता।

गजरथ महोत्सव की तीस वी वर्षगांठ पर निकली रथयात्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

सन 1992मे हुए ऐतिहासिक श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक महोत्सव एवं विश्व के इतिहास में पहली बार मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में हुई सप्त गजरथ महोत्सव की तीस वी वर्षगांठ पर नगर में बृसभरथ यात्रा का आयोजन किया गया इसके पहले श्री शान्ति नाथ त्रिकाल चौबीस मन्दिर में भगवान के महा मस्तिकाभिषेक का भव्य आयोजन मुनिश्री सुदत्तसागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में किया गया।

जगत कल्याण की कामना के लिए हुए शान्ति धारा

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में नगर में हुई ऐतिहासिक पंच कल्याणक महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ

की तीस वी वर्षगांठ पर श्री शान्ति नाथ त्रिकाल चौबीस मन्दिर में भगवान श्री शांतिनाथ स्वामी भगवान श्री कुंथुनाथ स्वामी भगवान श्री अरहनाथ स्वामी की विशाल प्रतिमा का वाल ब्रह्मचारी नमन भइया पंडित नरेश वरी के मंत्रोच्चार के बीच महास्तिकाभिषेक किया गया जिसका सौभाग्य रिसभृकुमार दुदेश कुमार सोगानी नेमीचंद ठेकेदार विमल कुमार तारई को मिला इसके बाद परम पूज्य मुनि श्री सुदत्त सागरजी महाराज के श्री मुख से जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की गई जिसमें सुमतकुमार कनैया कुमार, राजेश कुमार चन्द्र कुमार वासल सहित अन्य भक्तों ने की। इसके बाद भगवान को वृषभ रथ में विराजमान कर नगर के प्रमुख मार्गों से रथयात्रा निकाली गई जिसमें निर्मल कुमार देरखा श्री जिनेन्द्र भगवान को लेकर रथ में वैठे वहीं भूपेंद्र ग्वालियर सारथी वनकर रथ को चला रहे थे।

श्री वर्धमान दिगम्बर जैन समिति के चुनाव सम्पन्न

डॉ.राजेश काला अध्यक्ष व सौभागमल जैन महामंत्री निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री वर्धमान दिगम्बर जैन समिति के सम्पन्न हुए द्विवार्षिक चुनाव में डॉ. राजेश जैन काला अध्यक्ष,महावीर प्रसाद बाकलीवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष,अनंत मोहन कासलीवाल उपाध्यक्ष व सौभाग मल जैन को महामंत्री चुना गया। रवि जैन मंत्री,वीरेन्द्र गदिया प्रचार मंत्री,रजनीकांत जैन संगठन मंत्री व पंकज जैन को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी में शैलेश जैन, नवीन जैन, लालचंद जैन,मनोज लुहाड़िया अशोक बाकलीवाल व सुरेन्द्र पाटनी को कार्यकारिणी सदस्य चूना गया। सभी चुनी गई टीम को चुनाव अधिकारी डॉ.लालचंद जैन की अध्यक्षता में शपथ दिलाई गई।

पूज्य केशवमुनिजी एवं चक्षु मुनिजी सोमवार 5 दिसम्बर को पहुंचेंगे शांतिभवन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जैन दिवाकर पूज्य गुरुदेव चोथमलजी म.सा, संथारा विशेषज्ञ पूज्य धर्ममुनिजी म.सा. के सुशिष्य ओजस्वी एवं मर्मज्ञ वक्ता केशव विजय जी म.सा. एवम सेवाभावी चक्षु मुनि जी म.सा. सोमवार 5 दिसम्बर को न्यू आजादनगर स्वाध्याय भवन से सुबह 8 बजे मंगल विहार कर शांतिभवन पहुंचेंगे। शांतिभवन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने बताया कि मुनिश्री के पहुचने के बाद सुबह 9 से 10 बजे तक प्रवचन होंगे। उन्होंने अधिक से अधिक श्रावक- श्राविकाओ से पूज्य मुनिश्री के प्रवचन का लाभ लेने का आग्रह किया है। पूज्य केशव मुनिजी म.सा. एवं चक्षु मुनिजी म.सा. डूंगला से चातुर्मास पूर्ण होने के बाद विहार यात्रा के तहत भीलवाड़ा पहुचे है और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में धर्मलाभ प्रदान कर रहे हैं।

> अधिक से अधिक श्रावक-श्राविकाओ से पूज्य मुनिश्री के प्रवचन का लाभ लेने का आग्रह किया है।

पंचकल्याणक महामहोत्सव प्रतिष्ठा महामहोत्सव इटखोरी में प्रारंभ

श्रमण मुनि श्री विशल्यसागर जी गुरुदेव का मंगल सानिध्य

भद्दलपुर इटखोरी. शाबाश इंडिया

घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का शुभारंभ हुआ।शीतलनाथ भगवान की जन्म भूमि भद्दलपुर इटखोरी में प. पू. सर्वोदयी महाश्रमण सातिशय महायोगी राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 1008 विरागसागर जी महामुनिराज के मंगल आशार्वाद से एवं उनके परम प्रभावक शिष्य झारखण्ड सराक केसरी श्रमण मुनि श्री 108 विशल्यसागर जी गुरुदेव के मंगल सानिध्य में श्री 1008 मज्जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का भव्य शुभारंभ घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ किया गया।आज कल्याणक के प्रथम दिवस गर्भकल्याणक के सुअवसर पर पूज्य मुनि श्री ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि ये प्रतिष्ठाएँ तो पाँच दिनों में पूर्ण हो जाएगी और मंत्रो के माध्यम से परमात्मा भी बन जाएगे लेकिन हमारे अंदर जो परमात्मा विराजमान है उसको बाहर प्रकट करने के लिए मैत्रों की संस्कारों की और ये प्रतिष्ठाओं की आवश्यकता होती है मुनि श्री ने कहा कि जब एक पुदगल मंत्रों से, संस्कारों से पूज्य बन जाता है तो हम तो जीव तत्त्व है हम क्यों नहीं पूज्य बन सकते ।जब संस्कार गर्भ रुप से पलते है ।तो हमारी आत्मा भी परमात्मा के रूप में जन्म लेती है एक भव के संस्कार से नहीं भव -भव के संस्कार से आत्मा परमात्मा बनती है। हमेशा गर्भकल्याणक मनाओं लेकिन गर्भपात एवं गर्भघात कभी नहीं करना क्या पता कौन सी आत्मा गर्भ में परमात्मा के रुप में पल रही हो ।सभी कार्यक्रम प्रतिष्ठचार्य अजित शास्त्री,सह पंडित अभिषेक जैन के निर्देशन ओर मार्ग निर्देशक संघस्थ अलका दीदी,भारती दीदी के साथ इटखोरी, हजारीबाग, कोडरमा, रांची,जयपुर के साथ कई शहरों के प्रतिष्टित महानुभाव इस पंचकल्याणक में शामिल हुए, कल भगवान का जन्माभिषेक होगा।

भगवान अरहनाथ के तप कल्याणक दिवस पर

संगीतमय णमोकार महामंत्र भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं जैन भजन संध्या का हुआ आयोजन

निवाई. शाबाश इंडिया। आचार्य पदमनन्दी महाराज की मंगल प्रेरणा से भगतसिंह कालोनी स्थित जैन भवन पर पदमनन्दी युवा चेतना मंच एवं महिला मण्डल के तत्वावधान में संगीतमय णमोकार महामंत्र,भक्तामर स्तोत्र पाठ के साथ जैन भजन संध्या का आयोजन किया गया ।जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान अरहनाथ के तप कल्याणक दिवस पर संगीतमय भक्तामर पाठ का अनुष्ठान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी हुकमचंद जैन पारसमल जैन एवं संजय कुमार जैन द्वारा भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अनुष्ठान की शुरूआत गायक कलाकार विमल जौंला एवं गायिका कोमल जैन ने संगीतमय 108 णमोकार मंत्र की प्रस्तुतियां दी। इस दौरान गायक विमल जौंला के नेतृत्व में गायक अजीत काला गायिका कोमल जैन सीमा जैन उषा जैन शशी सोगानी पिंकी कठमाणा रितु चंवरिया सावित्री जैन सहित अनेक कलाकारों ने संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं भजन कीर्तन आयोजित किए गए कार्यक्रम मे मंगलाचरण प्रेमदेवी जैन सीमा जैन एवं उषा जैन ने किया। जौंला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने रिद्धि मंत्रों से 48 दीपकों को भक्तामर श्लोकों से मण्डप पर समर्पित किए गए।

नेट पर ओडीसी नृत्य के रंग

ओडीया अभिनय में किए लो सजनी

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में ओडीसी के कलाकार गोकुल श्रीदास ने अपने नृत्य और भाव भंगिमा से श्री कृष्ण के रास को जीवंत किया। नेट थिएट की राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि गोकुल श्री दास ओड़िशा के भुवनेश्वर प्रसिद्ध शास्त्रीय नृतक हैं। गोकुल ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत काली मंगलाचरण से की उसके बाद गोविंद का रास और ओडिया अभिनय के माध्यम से ओडिया नृत्य की छटा बिखेरी। अपनी भाव भंगिमा का ऐसा ऐसा प्रदर्शन किया की साक्षात श्री कृष्ण आपके समक्ष नृत्य कर रहे हैं इसके रचयिता बन माली और इसके कोरियोग्राफर नृत्य गुरु दुर्गा चरण रणवीर ने की कलाकार गोकुल सिंह दास जी अपने अभिनय और भाव भंगिमाऔ का प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीता।

बानपुर पंचकल्याणकः मनाया ज्ञानकल्याणक

महामुनिराज की आहारचर्या में उमड़े श्रद्धालु, भव्य समवशरण में हुई दिव्य-देशना

बानपुर, ललितपुर. शाबाश इंडिया

आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए मोहरूपी शत्रु का नाश करना जरूरी: मुनि श्री सुप्रभसागर

कस्बा बानपुर में बस स्टैंण्ड स्थित महाराजा मर्दन सिंह क्रिकेट ग्राउंड बानपुर में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज, श्री प्रणत सागर, मुनि श्री सौम्यसागर, मुनि श्री साक्ष्य सागर, मुनि श्री निवृत्तसागर के मंगल सान्निध्य में चल रहे श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव में शनिवार को ज्ञानकल्याणक को भक्ति-श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दौरान प्रातः 6 बजे अभिषेक, शन्तिधारा, नित्य महापूजन और तपकल्याणक की पूजन की गई। नव दीक्षित महामुनिराज की आहारचर्या हुई जिसमें पंचाश्चर्य देखकर भक्त भाव-विभोर हो उठे। जैसे ही महामुनिराज शांतिनाथ आहारचर्या के लिए निकले चारों ओर से आवाज गूंज उठी हे स्वामी नमोस्तु, नमोस्तु! आहारचर्या के लिए भक्तों में अपार उत्साह देखा गया। मुनिराज का नवधा भक्ति पूर्वक आहार हुआ। सर्वप्रथम आहार कराने का सौभाग्य प्रतीक शाह परिवार ललितपुर को प्राप्त हुआ। इसके बाद त्यागिवृतियों ने सौभाग्य

प्राप्त किया। दोपहर में ज्ञानकल्याणक की आंतरिक संस्कार क्रियाओं में नयन उन्मीलन, तिलक दान, केवलज्ञान, समवसरण रचना, देवागमन, दिव्यध्वनि विधि विधान के साथ की गई। केवलज्ञानोंत्पत्ति देख श्रद्धालु तीर्थंकर शांतिनाथ का जयकारा करने लगे, इस अवसर पर भगवान की केवल ज्ञानकल्याणक पूजन की गई। इस अवसर पर श्रमणरत्न श्री सुप्रभ सागर जी महाराज ने समवसरण में गणधर के रूप में अपनी दिव्य देशना में कहा कि कोई आत्मा तब तक परमात्मा नहीं बन सकती जब तक उसे संसार से विरक्ति न हो, वह तप न करे, केवलज्ञान न उत्पन्न हो तब तक वह परमात्मा बनने का अधिकारी नहीं है।हमें अपनी आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए मोहरूपी शत्रु का नाश करना पड़ता है। वैभव छोड़ने का दृश्य देखना है तो तीर्थंकर के समवसरण देखो। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर के समवशरण की विशेषता होती है कि उसमें बैठे समस्त देव, देवियाँ, स्त्री पुरुष, साधु आर्यिका, पशु पक्षी अपनी-अपनी भाषा में सुनकर महा-आत्मलाभ करते हैं।तीर्थंकर का ज्ञान, शरीर का सौन्दर्य, बल पराक्रम जन्म से ही असाधारण होते हैं।आज तीर्थंकर शांतिनाथ के समवशरण की मनोरम दर्शनीय रचना आकर्षण का केंद्र रहा।समवसरण में समस्त मुनिराज विराजमान रहे।

राग से विराग का कमल खिलाना है :

मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज ने समवसरण में अपनी दिव्य देशना में कहा कि वैभव छोड़ने का दृश्य देखना है तो तीर्थंकर के समवसरण देखो। राग के अंदर तो आग ही आग है लेकिन वहां आग नहीं चिराग होता है। महोत्सव को सफल बनाने में महोत्सव समिति व समस्त उप समितियां, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों तथा पुलिस प्रशासन जुटा हुआ है। आयोजन की सफलता के लिए महोत्सव समिति बनाई गई है जिसमें अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार जैन चूना ललितपुर, कार्याध्यक्ष महेंद्र कुमार नायक बानपुर, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंघई बानपुर, महामंत्री अखिलेश चौधरी (क्षेत्र समिति), दिनेश कुमार जैन टीकमगढ़, उपमंत्री अनूप जैन मोंटू, जय मड़वैया,सोनू विशाल, मुख्य संयोजक सिंघई इंद्रकुमार जैन बानपुर, सह संयोजक नितिन मड़वैया, प्रासु सराफ, कोषाध्यक्ष राजेश सिंघई उपकोषाध्यक्ष पंकज मड़वैया, राजेंद्र सिंघई, प्रमेंद्र नायक , प्रदीप मड़वैया, स्वागत अध्यक्ष अमित जैन राजा कारी , अभिषेक मैनवार सराहनीय योगदान दे रहे हैं।

इंटर कॉलेजिएट यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान बास्केटबॉल टूर्नामेंट मे स्टूडेंटस ने दिखाया दम

स्टूडेंटस के मध्य हुए कड़े मुकाबले

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर कॉलेज के परिसर मे आयोजित तीन दिवसीय इंटर कॉलेजिएट यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान बास्केटबॉल टूर्नामेंट के अन्तिम दिन फाईनल मुकाबले खेले गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगदीप सिंह बैंस (भारतीय बास्केटबॉल टीम के पूर्व कप्तान एवं यूबीए प्रो बास्केटबॉल लीग के मुंबई चौलेंजर्स के बास्केटबॉल खिलाड़ी हैं) और यूनिवर्सिटी आब्जर्वर - श्री सुरेंद्र जी मीणा (असिस्टेंट डायरेक्टर यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान) ने श्री महावीर कॉलेज मे आयोजित प्रतियोगिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के खेल आयोजन करने से छात्र - छात्रो में खेल के प्रति रुझान बढ़ता हैं और खेलने वालो की भी प्रतिभा सामने आती हैं। संस्था के उपाध्यक्ष श्री मुकुल जी कटारिया और कोषाध्यक्ष महेश काला, प्राचार्य डॉ. आषीष गुप्ता ने सभी आए हुए गणमान्य व्यक्तियों एवं राजस्थान के विभिन्न कॉलेजो से आए हुए छात्र-छात्राओं को धन्यवाद प्रेषित किया। इस टूर्नामेंट में विधार्थियों को जीत के लिए मुकाबले के कड़े दौर से गुजरना पड़ा।

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाया

अजमेर. शाबाश इंडिया। सबकी सेवा सबको प्यार जिओ और जीने दो के उदेश्य से चलने वाली संस्था महावीर इन्टरनेशनल, कुचामन सिटी के द्वारा विश्व अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस पर सम्पर्क संस्थान द्वारा संचालित आवासीय विद्यालय में विशेष शिक्षक धीरजसिंह व संस्था सचिव रामपाल सिंह के सानिध्य में मूकबाधिर बच्चों को अल्पहार करवाकर विश्व अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाते संस्था के जोन कोषाध्यक्ष सुभाष पहाड़िया, संस्था अध्यक्ष कैलाश चन्द पाण्ड्या, सचिव रामवतार गोयल, संगठन मंत्री रतनलाल मेघवाल, तेजकुमार व अशोक अजमेरा ने सहयोग किया।

दो दिवसीय वेदी शुद्धीकरण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ भव्य आगाज

फागी. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चौरु ग्राम में चल रहे दो दिवसीय वेदी शुद्धीकरण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं कलशारोहण कार्यक्रम का आज आर्यिका श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोधमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज के सहयोग से प्रतिष्ठाचार्य सुरेशकुमार शास्त्री निवाई वालों के दिशानिर्देश में विभिन्न मंत्रोचारणों के भव्य शुभारम्भ हुआ। जैन समाज के राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम में महावीर प्रसाद , विनोद कुमार , कैलाश चंद, पिंटू कुमार पाटनी मदनगंज किशनगढ़ (उरसेवा) निवासी ने झंडारोहण कर कार्यक्रम की शुरूआत की । चौरु जैन समाज ने पुण्यार्जक परिवारों का तिलक,माला,साफा से स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम में आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में 101 सोभाग्यवती महिलाओं द्वारा भव्य घट यात्रा निकाली गई। घट यात्रा में सभी श्रावक श्राविकाएं जयकारों के साथ नाचते गाते हुए चल रहे थे। घट यात्रा के मंदिर में पहुंचने के बाद वेदी शुद्धीकरण, आचार्य निमंत्रण के बाद पांच नवीन वेदियों पर वास्तु महामंडल विधान की पूजा की गई, प्रत्येक वेदी पर 70 अर्घ चढाकर पूजा अर्चना की गई, कार्यक्रम में शिखर ध्वज शुद्धीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मण्डप मंडल प्रतिष्ठा, सरलीकरण तथा श्री याग मण्डल विधान की पूजा हुई। सांयकाल आरती, स्वाध्याय तथा भक्ति संध्या का कार्यक्रम रखा गया। उक्त कार्यक्रम में मिलापचंद सोगानी मालपुरा, प्रकाश गंगवाल ,कैलाश गंगवाल, महेश पाटनी,महावीर बाकलीवाल, प्रकाश चंद बडजात्या, राजेन्द्र पाटनी,महैन्द्र पाटनी, संजय पापड़ीवाल किशनगढ़,रतनलाल पाटनी, पारस पाटनी, तेजकरण गंगवाल, सुरेंद्र पाटनी, महावीर गंगवाल,पूरण गंगवाल,विमल पाटनी चौरू, जयकुमार गंगवाल, हरकचद्र गंगवाल चकवाड़ा, नरेंद्र गोधा नारेड़ा, मोहनलाल अजमेरा,पदम छाबड़ा मंडावरी, तथा राजाबाबू गोधा फागी सहित काफी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दस दिवसीय महाकुंभ का समापन रविवार 4 दिसम्बर को

क्षेत्र कमेटी ने किया 141 सहयोगियों का सम्मान

रविवार,चार दिसम्बर को होगा महामस्तकाभिषेक महोत्सव का समापन, निकलेगी रथयात्रा

जयपुर/ श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

चांदनपुर वाले बाबा के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध भूगर्भ से प्रकटित भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में सातवें दिन शनिवार को जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त रवि जैन शाबाश इंडिया के सम्पादक राकेश-समता गोदिका सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये। इस मौके पर मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महामस्तकाभिषेक महोत्सव का 4 दिसंबर को समापन होगा। इस दौरान पुण्यार्जक श्रद्धालुओं एवं इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि शनिवार को टीले से निकली अतिशयकारी 1 हजार वर्ष प्राचीन भगवान महावीर की मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा के जम्बू प्रसाद जैन ने नवरत्न कलश के माध्यम से प्रथम महामस्तकाभिषेक किये। रत्न कलश के माध्यम से समाजश्रेष्ठी रमेश सरावगी एवं परिवारजनों द्वारा द्वितीय कलश, दिव्य कलश के माध्यम से राज कुमार वीर बिल्डर्स सहित जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त रवि जैन, राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति राजीव जैन, पूर्व न्यायाधीश अतुल कुमार जैन,भारत सरकार में संयुक्त सचिव राहुल जैन, समाजसेवी,,अशोक बाकलीवाल,यश कमल अजमेरा, राजेश बड़जात्या,कमल वैद, राकेश छाबडा, समाचार जगत के चक्रेश जैन, शाबाश इंडिया के सम्पादक राकेश - समता गोदिका सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महामस्तकाभिषेक किये। इस मौके पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी के संरक्षक प्रवीण चन्द्र छाबड़ा,श्री वीर सेवक मण्डल जयपुर के अध्यक्ष महेश काला , मंत्री भानू छाबडा सहित कई गणमान्य श्रेष्ठी जनों ने सहभागिता निभाई। चरण छतरी के नजदीक नव प्रतिष्ठित 24फुट 1इंच की उतंग खड्गासन बिजोलिया पत्थर से निर्मित भगवान महावीर की प्रतिमा के सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये गये। महामस्तकाभिषेक महोत्सव के दौरान अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल , कार्याध्यक्ष विवेक काला, उपाध्यक्ष एस के जैन,सी पी जैन,महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी , कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी,मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन, संयोजक सुरेश सबलावत, राकेश सेठी,प्रबंध समिति सदस्य नरेश कुमार सेठी,सुभद्र कुमार पाटनी, पूनमचंद शाह, डॉ कमल चन्द सौगानी, जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन, हेमन्त सोगानी, अशोक जैन,कमल कुमार बड़जात्या, जस्टिस नरेन्द्र कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, डॉ पदम कुमार जैन, प्रदीपकुमार जैन, अनिल पाटनी (दीवान), रुपिकाला, पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति अध्यक्ष राज कुमार कोठ्यारी, संयोजक योगेश टोडरका एवं जनमंगल कलश समिति समन्वयक देवेन्द्र अजमेरा, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन, मनीष बैद, प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा,अजीत पाटनी, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने सहभागिता निभाई। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शनिवार को प्रातः 8.15 बजे से हुए महामस्तकाभिषेक भगवान महावीर स्वामी की भूगर्भ से प्रकटित मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक करने हेतु श्रद्धालु नाचते गाते शुद्ध पीत वस्त्र धारण कर बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के रूप में मुख्य मंदिर पहुंचे। इस मौके पर पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। कार्याध्यक्ष विवेक काला एवं मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन के मुताबिक लगभग 425 कलशों से पुण्यार्जक परिवारों के सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा सातवें दिन जयकारों के बीच मंत्रोच्चार से महामस्तकाभिषेक किये गये। शांतिधारा पुण्यार्जक पवन, मनीष,भरत गंगवाल परिवार द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भगवान के सिर पर शांतिधारा की गई। शनिवार,03 दिसम्बर को प्रातः 9.30 बजे से सायं 4.15 बजे तक भगवान का महामस्तकाभिषेक हुआ। सायंकाल 5.30 बजे आयोजित सम्मान समारोह में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव सहित अन्य कार्यों में सहयोग करने वाले 141 सहयोगियों का तिलक, माल्यार्पण, प्रशस्तिपत्र एवं भगवान महावीर का चित्र भेंट कर क्षेत्र कमेटी की ओर से अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी के नेतृत्व में सम्मान किया गया। भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा का 4 दिसम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 8.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक महामस्तकाभिषेक होगा। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दोपहर बाद पाण्डाल से विशाल रथयात्रा निकाली जाएगी जिसमें श्री जी विराजमान होंगे। रथयात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए मुख्य मंदिर पहुंचेगी जहां श्री जी को जयकारों के बीच वेदी में विराजमान किया जाएगा। अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि रविवार को रात्रि में 8.00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में भगवान महावीर के वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया जाएगा।

मस्तकाभिषेक महोत्सव का सातवां दिनः श्रद्धालुओं ने किये भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक

मंदिर दर्शन का समय

कार्याध्यक्ष विवेक काला ने बताया कि दर्शनार्थियों के लिए मुख्य मंदिर दर्शन प्रातः 5.00 बजे से 7.00 बजे तक तथा सायंकाल 6.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक हो सकेंगे। मंदिर के नीचे स्थापित ध्यान केन्द्र की प्रतिमाओं के दर्शन प्रातः 8.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक हो सकेंगे। महोत्सव के दौरान श्री वीर सेवक मण्डल जयपुर एवं जैन बैंकर्स फारम के 150 से अधिक सेवाभावी कार्यकताओं द्वारा अपनी सेवाएं दी जा रही है। महोत्सव में राजस्थान सहित पूरे विश्व से श्रद्धालुओं का ताता भगवान महावीर के दर्शन करने हेतु उमड़ रहा है। महोत्सव समिति द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों के लिए भोजन,आवास सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है।

जयकारों के बीच हुआ आचार्य वैराग्य नन्दी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का श्री महावीर जी में भव्य मंगल प्रवेश

आचार्य वर्धमान सागर महाराज सहित सभी साधू संतों से हुआ भव्य मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैनाचार्य 108 वैराग्य नन्दी महाराज ससंघ का 21 पिच्छिकाओं सहित एवं जहाजपुर स्वस्ति धाम प्रणेत्री,भारत गौरव गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में शनिवार,3 दिसम्बर को विशाल जुलूस के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ।इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का मंगल प्रवेश जुलूस प्राकृतिक चिकित्सालय से रवाना हुआ जो बैण्ड बाजों के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा जयकारे लगाते हुए मुख्य मंदिर के द्वार पर पहुंचा जहां क्षेत्र कमेटी पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी के नेतृत्व में आचार्य वैराग्य नन्दी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की गई। इससे पूर्व आचार्य श्री एवं गणिनी आर्यिका माताजी ससंघ का प्रातः बड़ागांव से श्री महावीरजी के लिए मंगल विहार हुआ। आचार्य श्री एवं आर्यिका माताजी ससंघ ने मुख्य मंदिर में भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा के दर्शन किए तथा श्री महावीरजी में चल रहे महामस्तकाभिषेक महोत्सव में शामिल होकर भगवान के महामस्तकाभिषेक का आनन्द उठाया। तत्पश्चात श्री महावीर जी में प्रवासरत आचार्य वर्धमान सागर महाराज, आचार्य विमल सागर महाराज, आचार्य अमित सागर महाराज,गणिनी आर्यिका सृष्टीभूषण माताजी ससंघ से आचार्य श्री वैराग्य नन्दी महाराज एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कांच वाला पर जयकारों के बीच भव्य मिलन हुआ। इस मौके पर आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए ग्रहण किया सर्वेश्रेष्ठ जिले का पुरस्कार

अलवर। राष्ट्रपति द्रौपती मुर्मू ने अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में अलवर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को वर्ष 2022 के लिए दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने पर सर्वश्रेष्ठ जिले का पुरस्कार प्रदान किया। उन्हें यह अवार्ड जिले में दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर एवं उनके कल्याण के लिए नवाचार करते हुए दिव्यांग सशक्तिकरण की दिशा में किये गये कार्यों के लिए दिया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा यह पुरस्कार प्रतिवर्ष दिव्यांगजन के लिए सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले देशभर में केवल एक जिले को प्रदान किया जाता है।

शारीरिक कमजोरी से ज्यादा हौसला जरूरी

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस आयोजित

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब अजमेर वेस्ट द्वारा आज विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में अध्यनरत 15 दिव्यांग बच्चो को लायन वी के पाठक के सौजन्य से उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया ।इससे पूर्व दिव्यांग बच्चो को तिलक लगाकर माला पहना कर स्वागत किया ।स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत की डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन आभा गांधी ने दिव्यांग बच्चो की होंसला अफजाई करते हुए कहा कि शारीरिक अक्षमता से अधिक मन का होंसला होना चाहिए । ऐसे अनेक उदाहरण हैं कि दिव्यांग व्यक्तियों ने सामान्य व्यक्ति से भी ज्यादा अच्छे कार्य कर रिकार्ड बनाए हैं । इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन वी के पाठक, लायन अंशु बंसल, सचिव लायन प्रदीप बंसल, कोषाध्यक्ष लायन आर के शर्मा , लायन सी पी गुप्ता, लायन सीमा पाठक, लायन राजेंद्र गांधी , लायन मंजू चौधरी संजीव चौहान लायन सुरेश मान, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे ।विद्यालय प्रधानाचार्य आर के मीना ने क्लब पधाधिकारियो का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन स्वप्न शर्मा ने किया ।कक्षा 7वी की छात्रा चेतन्य वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उद्देश्य पर प्रकाश डाला ।कक्षा 6 की छात्रा इशिका मीना ने कविता के माध्यम से दिव्यांग जनों की होंसला अफजाई की ।

धारोत्सव विंटर कॉर्निवल में सजी राजस्थानी लोक संस्कृति की झांकी

जयपुर. शाबाश इंडिया। विद्याधर नगर जयपुर स्थित धारव हाई स्कूल में शनिवार को राजस्थानी पृष्ठभूमि पर आधारित ''धारोत्सव'' विंटर कॉर्निवल का आयोजन किया गया। रंगारंग प्रतियोतिाओं से सजे इस विंटर कॉर्निवल में विद्यार्थियों ने पारंपरिक परिधानों को धारण करके भारत की रंग-विरंगी संस्कृति का परिचय दिया, वहीं राजस्थानी लोक संस्कृति के परिचायक कालबेलिया, घूमर व कच्छी घोड़ी के प्रदर्शन ने सभी को रोमांचित कर दिया। स्कूल की प्राचार्या सीमा सहजपाल ने बताया कि कार्निवल का रंगारंग शुभारंभ विद्यालय की चैयरपर्सन देवयानी जयपुरिया ने किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत की पारंपरिक पहचान व विरासत को संरक्षित करने के लिए सभी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान तो उमंग, उत्साह और तीज- त्योहारों की भूमि है। इसका कण-कण त्याग और शौर्य की गाथा गाता है। इस पहचान को बनाए रखने के लिए हमें अपने मूल्यों का संवर्धन करते हुए आगे बढ़ना होगा। स्कूल की निर्देशिका अदिति मिसरा और संस्था के वाइस प्रेसिडेंट हैड कर्नल दीपक सहगल का सान्निध्य व मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने इसके अलावा धारोत्सव में इस मौके पर मनोरंजन और फूड की लगभग 23 स्टॉल्स पर हजारों आगंतुकों ने भरपूर आनंद के साथ देशी विदेशी पकवानों का लुत्फ उठाया। अंत में स्कूल की प्राचार्या सीमा सहजपाल ने सभी का आभार जताया।